an>

Title: Need to honour brave police officials and personnel in Bihar.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलीपुत्र) : सभापति महोदय, मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि आपने बहुत ही महत्वपूर्ण लोक महत्व के मामले को उठाने की आपने अनुमति दी है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि इस बार बिहार सरकार की लापरवाही के कारण स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार के पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को राष्ट्रपति पदक से वंचित होना पड़ेगा। मैं बताना चाहूंगा कि बिहार से बहुत देर से अनुशंसा भेजी राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए, उसकी समय 15 मई तक थी, लेकिन उन्होंने उसके बहुत बाद में अनुशंसा भेजी। कहा जाता है कि बिहार में सुशासन वाली सरकार है, जो अपने जांबाज पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित करने की फुर्सत नहीं है। देश के अन्य भागों के पुलिसकर्मियों को जब राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, वहीं बिहार के जांबाज पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों, जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर अच्छे काम किए हैं, वे इस बार राष्ट्रपति पुरस्कार से वंचित रह जाएंगे।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार के गृह मंत्री से निवेदन है कि उनकी लापरवाही को नेगलेक्ट करते हुए, शिथिल करते हुए, वे आपके जांबाज अधिकारी हैं, देश के जांबाज अधिकारी हैं, उनका मनोबल टूट रहा है, उनका मनोबल बढ़ाने के लिए समय-सीमा को समाप्त करते हुए बिहार के पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को राष्ट्रपति पुरस्कार देने की सहमति प्रदान करें। अभी समय है, 15 अगस्त को पुरस्कार दिए जाते हैं।

महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। मैं निवेदन करूंगा कि केन्द्र सरकार इस पर ध्यान दे, बिहार के पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित करने के लिए, राष्ट्रपति पुरस्कार देने के लिए अपनी सहमति प्रदान करे।

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : महोदय, मैं शून्यकाल में श्री राम कृपाल यादव जी द्वारा उठाए गए मुद्दे से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।